An occasional column on significant developments in the media world

By Ashok Mansukhani Advocate Bombay High Court. Specialist in Multi Media Law and Regulation/ Corporate Law and Regulation and Taxation.



### मीडियाबीट

मीडिया की दुनिया में महत्वपूर्ण घटनाओं पर एक सामयिक स्तंभ

लेखकः अशोक मनसुखानी एडवोकेट बॉम्बे हाई कोर्ट मल्टी मीडिया कानून और रेग्यूलेशन /कॉरपोरेट कानून और रेग्यूलेशन और टैक्सेशन के विशेषज्ञ।

### WILL DISNEY EXIT INDIA?

The challenges of streaming in India are beginning to affect broadcast TV.

#### IS DISNEY STAR EXITING Α. INDIA?

#### UNCERTAIN FUTURE FOR DISNEY INDIA

**Disney Inc** is among the largest media companies globally, operating in various countries, including

India. For fiscal year 2022, it had global bumper profits with Revenues of **\$82.722** billion and Net income of \$19.241 billion. Mr



Bob Iger's return in November 2022 as CEO sparked many changes in **Disney** operations. These include a renewed focus on streaming.

#### **INDIAN OPERATIONS**

- In 2019, Disney acquired 21st Century Fox for \$ 71 Billion for Asian assets, which included Star India. Disney India became and still is India's most prominent television broadcaster.
- It also launched Disney+ Hotstar, a streaming service which offers content from Disney, Pixar, Marvel, Star Wars, National Geographic, and Star.
- Disney Star runs over 70 TV channels in eight languages, reaching 9 out of 10 cable and satellite TV homes in India. The network reaches approximately **790 million viewers** annually across India and over **100 countries**. According to **BARC** India, Star Plus ranks second among the top 10 channels in India in July 2023.

# क्या डिज्नी भारत से बाहर निकल जायेगा?

भारत में स्ट्रीमिंग की चुनौतियों का असर प्रसारण टीवी पर पडने लगा है।

### ए. क्या डिज्नी भारत से बाहर जा रहा है?

### डिज्नी इंडिया का अनिश्चित भविष्य

◆ डिज्नी इंक विश्वस्तर पर सबसे बडी मीडिया कंपनियों में से एक है, जो भारत सहित विभिन्न देशों में काम कर रही है। वित्तीय वर्ष



2022 के लिए इसे 82,722 विलियन डॉलर के राजस्व और **19.241 बिलियन डॉलर** की शद्ध Star आय के साथ वैश्विक वंपर मुनाफा हआ। नवंबर 2022 में सीईओ के रूप में श्री बॉब इगर की वापसी ने

डिज्नी संचालन में कई बदलाव लाये।इनमें स्ट्रीमिंग पर नये सिरे से फोकस शामिल है।

### भारतीय परिचालन

- 2019 में डिज्नी ने एशियनसेटस के लिए 71 बिलियन डॉलर में **21फर्स्ट सेंचुरी फॉक्स** का अधिग्रहण किया, जिसमें स्टार इंडिया भी शामिल था। डिज्नी इंडिया भारत का सबसे प्रमख टेलीविजन प्रसारक बन गया और अभी भी है।
- ◆ इसने डिज्नी प्लस हॉटस्टार भी लॉन्च किया, जो एक स्ट्रीमिंग सेवा है जो **डिज्नी, पिक्सर, मार्बल, स्टार वार्स, नेशनल** ज्योगाफिक और स्टार की सामगी पदान करती है।
- ♦ डिज़्नी स्टार आठ भाषाओं में 70 से अधिक टीवी चैनल चलाता है जो भारत में 10 केवल और सैटेलाइट टीवी घरों में से 9 में पहुंचता है।यह नेटवर्क पूरे भारत और 100 से अधिक देशों में सालाना लगभग 790 मिलियन दर्शकों तक पहुंचता है। बीएआरसी इंडिया के अनुसार, जुलाई 2023 में भारत के शीर्ष **10 चैनलों** में स्टार प्लस दुसरे स्थान पर है।

- ◆ The Company's revenues for the **Financial Year** stood at **Rs. 17,480.62 crores**, a **38%** jump over **Rs. 12,664.36 crores** in the year-ago period.
- ◆ Disney+Hotstar income nearly doubled to Rs. 3,259 crore from Rs. 1,794 crore in FY20-21 and reduced losses to Rs. 343.16 crore.
- ◆ In 2022, Disney lost the streaming rights from 2023 to 2027 to Indian Premier League (IPL) cricket tournament to Viacom18 Media Pvt Ltd, a joint venture between Paramount Global and Reliance Industries Ltd. Disney+ Hotstar lost 4.6 million (46 lakh) paid subscribers in the April 1, 2023 quarter.
- ◆ Intense competition from Reliance company Viacom and Paramount and the partnership with Uday Shankar and James Murdoch of Bodhi Tree have upset Disney's plans for dominance and high profits. Bodhi Tree has invested \$528 million in Viacom18.
- ◆ The impending merger of **Zee** and **Sony**, the challenge of regional giants like **Sun TV** and regulatory difficulties in **Tariff pricing** of TV channels have caused a rethink in the **Disney Global** leadership of the future viability of Indian operations.

#### DISNEY'S EXIT PLANS FOR INDIA?

- ◆ Mr Bob Iger, CEO, in an interview with The Economic Times in 2022, said that Disney had not been as successful in India as it had hoped. The Company needed to make more of an effort to create content tailored to Indian audiences.
- According to Moffett
   Nathanson analysts,
   Disney would be better off selling its Indian
  - business and focusing on its streaming business elsewhere.
- So, it was unsurprising that a recent report in **The**

- ◆ वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी का राजस्व 17,480.62 करोड़ रूपये रहा, जो कि एक साल पहले की अविध में 12,664.36 करोड़ रूपये से 38% अधिक हैं।
- ◆ डिज्नी हॉटस्टार की आय वित्तवर्ष 20-21 में 1794 करोड़ रूपये से लगभग दोगुनी होकर 3259 करोड़ रूपये हो गयीऔर घाटा कम होकर 343.16 करोड़ रूपये हो गया।
- ◆ 2022 में डिज्नी ने 2023 से 2027 तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट के स्ट्रीमिंग अधिकार वायकॉम 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के हाथों खो दिया, जो कि पैरामाउंट ग्लोबल और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का एक संयुक्त उपक्रम है | डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने 1 अप्रैल 2023 तिमाही में 4.6 मिलियन (46 लाख) सशुल्क ग्राहक खो दिये |
- ♦ रिलायंस कंपनी वायकॉम और पैरामाउंट से कड़ी प्रतिस्पर्धा और बोधि ट्री के उदय शंकर और जेम्स मरडोक के साथ साझेदारी ने डिज्नी के प्रभुत्व और उच्च मुनाफे की योजनाओं को विफल कर दिया है | बोधि ट्री ने वायकॉम 18 में 528 मिलियन डॉलर का निवेश किया है |
- जी और सोनी के संभावित विलय, सन टीवी जैसे क्षेत्रीय दिग्गजों की चुनौती और टीवी चैनलों के टैरिफ मूल्य निर्धारण में नियामक कठिनाइयों ने डिज्नी ग्लोबल नेतृत्व को भारतीय परिचालन की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में पुर्निवचार करने का कारण बना दिया है।

### डिज्नी की भारत से बाहर निकलने की योजना?

- ◆ सीईओ श्री बॉब इगर ने
  2022 में दॅ इकोनॉमिक टाइम्स के
  साथ एक साक्षात्कार में कहा था कि
  डिज्नी भारत में उतनी सफल नहीं रही
  जितनी उसे उम्मीद थी | कंपनी को भारतीय
  दर्शकों के अनुरूप सामग्री बनाने के लिए
  और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता
  थी |

कारोबार पर ध्यान केंद्रित करें।

 तो यह आश्चर्य की बात नहीं थी कि द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया था कि डिज्नी भारत में अपने



Wall Street Journal stated that Disney is weighing options for its TV business in India, including an outright sale or setting up a joint venture with partners.

◆ In an interview on July 13, 2023, Mr Bob Iger said efforts are underway to explore several

strategic options As linear TV was no longer core to Disney and the distribution model was broken. The disruption of Linear TV has been caused by

- ▶ Rise of streaming services: As people desire personalised content at the time of their choice, Disney has been a significant player in the streaming market, with its Disney+ service reaching over 130 million subscribers worldwide.
- ◆ The decline of traditional cable: Viewers have switched to streaming services. This has led to declining advertising revenue for Linear TV networks, a significant income source for Disney Entertainment.

### IF DISNEY EXITS, WHO CAN BUY THE INDIAN BUSINESS?

- Potential buyers could include Reliance Jio Cinema, Viacom 18/Bodhi Tree/Sony Entertainment/Tatas.
- ◆ There could be other large companies like Amazon and Netflix. Still, their buyout of Disney India is highly unlikely, considering the current regulatory and tax environment.

#### COMMENT

- It is doubtful that Disney would abandon a thriving Indian media environment only because competition factors and shifting public choices have not helped it earn bumper profits in India.
- ◆ By now, Disney realises that India is a value-formoney market and content must be indigenised and regionalised to grow more audiences. A reset with a greater focus on regional TV content is also expected.

टीवी व्यवसाय के लिए विकल्पों पर विचार कर रही है, जिसमें एकमुश्त बिक्री या भागीदारों के साथ एक संयुक्त उपक्रम स्थापित करना शामिल है।

◆ 13 जुलाई 2023 के साक्षात्कार में बॉब इगर ने कहा कि कई रणनीतिक विकल्पों का पता लगाने के प्रयास किये जा

रहे हैं क्योंकि लीनियर टीवी अब डिज्नी के लिए मूल नहीं था और वितरण मॉडल टूट गया था। लीनियर टीवी का व्यवधान किसके कारण हुआ  $\frac{1}{8}$ ?

◆ स्ट्रीमिंग सेवा का उदयः चूंकि लोग अपनी पसंद के समय पर व्यक्तिगत सामग्री चाहते हैं, डिज्नी स्ट्रीमिंग बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहा है, इसकी डिज्नी प्लस स्ट्रीमिंग सेवा दुनियाभर में 130 मिलियन से अधिक ग्राहकों तक पहुंच रही है।

पारंपिरक केबल का पतनः दर्शकों ने स्ट्रीमिंग सेवा की ओर रूख किया है। इससे लीनियर टीवी नेटवर्क के विज्ञापन राजस्व में गिरावट आयी है, जो डिज्नी एंटरटेनमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण आय स्रोत है।

# यदि डिज्नी बाहर निकलता है तो भारतीय व्यवसाय कौन खरीद सकता है?

- क्षंभावित खरीदारों में रिलायंस जियो सिनेमा,वायकॉम18/बोधि
   ट्री/सोनी इंटरटेनमेंट/टाटा शामिल हो सकते हैं।
- अमेजॅन और नेटिफ्लक्स जैसी अन्य बड़ी कंपनियां भी हो सकती हैं।फिर भी, वर्तमान विनियामक और कर परिवेश को देखते हुए डिज्नी इंडिया को उनके द्वारा खरीदने की अत्यधिक संभावना नहीं है।

### टिप्पणी

- यह संदिग्ध है कि डिज्नी एक संपन्न भारतीय मीडिया माहौल को केवल इसलिए छोड़ देगा क्योंकि प्रतिस्पर्धा के कारकों और सार्वजनिक विकल्पों में बदलाव ने उसे भारत में बंपर मुनाफा कमाने में मदद नहीं की है।
- अब तक डिज्नी को एहसास हो गया है कि भारत पैसे के बदले मूल्य वाला बाजार है और अधिक दर्शक वर्ग बढ़ाने के लिए सामग्री को स्वदेशी और क्षेत्रीयकृत किया जाना चाहिए। क्षेत्रीय टीवी सामग्री पर अधिक ध्यान देने के साथ एक रीसेट की भी उम्मीद है।

## B. ZEE PROMOTERS TRYING TO RECOVER STAKE IN DISH TV

- ◆ Essel Zee launched Dish TV in India on October 2 2003, India's first DTH service. Dish TV offers over 600 channels, offering many regional channels. It also provides many popular OTT Platforms.
- ◆ **Dish TV's** subscriber base has remained relatively stable recently, with around 30 million subscribers as of **March 2023**.
- ◆ Dish TV's revenue in 2022 was INR 5,788.70 crore. Despite declining revenue, Dish TV's operating profit in 2022 went up to INR 1,239.10 crore (USD 160 million) due to controlling costs and improving operational efficiency.

### CORPORATE GOVERNANCE CONCERNS

### LACK OF INVESTOR CONFIDENCE:

- ◆ Investors have lost faith in the Company's Promoters. This was due to the Essel Group's financial difficulties and several corporate governance concerns. Dish TV's stock price declined from a high of INR 150 per share
  - in 2018 to around INR 18 per share as of July 2023.
- ◆ The Company has been accused of a lack of transparency in its financial dealings. There have been allegations of conflict of interest involving the Company's Promoters.
- ◆ The Company's **Board of Directors** has been accused of poor oversight of the Company's management.
- ◆ In 2020, SEBI issued a show-cause notice to Dish TV's Promoters, asking them to explain the allegations against them. The Promoters responded, but SEBI is still investigating the matter.

# बी. जी प्रमोटर, डिश टीवी में हिस्सेदारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं

- ◆ ऑन \*एसेल-जी ने 2 अक्टूबर 2003 में भारत में डिश टीवी लॉन्च किया था, जो भारत की पहली डीटीएच सेवा थी।डिश टीवी 600 से अधिक चैनलों की पेशकश करता है, जिसमें कई क्षेत्रीय चैनल भी शामिल हैं।यह कई लोकप्रिय ओटीटी प्लेटफॉर्म भी पदान करता है।
- ♦ डिश टीवी का ग्राहक आधार हाल ही में अपेक्षाकृत स्थिर बना हुआ है, मार्च 2023 तक लगभग 30 मिलियन ग्राहक हैं।
  - ◆ 2022 में डिश टीवी का राजस्व 5,788.70 करोड़ रूपये था।राजस्व में गिरावट के बावजूद लागत पर नियंत्रण और परिचालन दक्षता में सुधार के कारण 2022 में डिश टीवी का परिचालन लाभ 1239.10 करोड़ रूपये (160 मिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गया।



### कॉर्पोरेट प्रशासन संबंधी चिंतायें

### निवेशकों के विश्वास में कमी

- ◆ निवेशकों का कंपनी के प्रमोटरों पर से विश्वास उठ गया है। यह एसेल समूह की वित्तीय किठनाइयों और कई कॉर्पोरेट प्रशासन संबंधी चिंताओं के कारण था। डिश टीवी के शेयर की कीमत 2018 में 150 रुपये प्रति शेयर के उच्च स्तर से
- घटकर **जुलाई 2023** तक लगभग **18 रूपये** प्रति शेयर हो गयी।
- कंपनी पर वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया गया है। कंपनी के प्रमोटरों पर हितों के टकराव के आरोप लगे हैं।
- कंपनी के निदेशक मंडल पर कंपनी के प्रबंधन की खराब निगरानी का आरोप लगाया गया है।
- ◆ 2020 में सेबी ने डिश टीवी के प्रमोटरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया, और उनसे अपने खिलाफ लगे आरोपों पर स्पष्टीकरण देने को कहा | प्रमोटरों ने जवाब दिया, लेकिन सेबी अभी भी मामले की जांच कर रहा है |

#### LITIGATION WITH LENDERS OF ESSEL GROUP

- ◆ In 2020, Yes Bank seized shares of Dish TV pledged by the Promoters because it was worried about the Company's high debt levels. The lenders
  - were concerned that if the Promoters remained in control of **Dish TV**, they would use the Company's resources to prop up the **Essel Group's** other businesses.
- ◆ The dispute between Essel Group and Yes Bank is pending in the Bombay High Court before the Division Bench. The single bench decided against Essel's group on its disagreement with Yes Bank.



### एसेल समूह के ऋणदाताओं के साथ मुकदमा

- 2020 में, यस बैंक ने प्रमोटरों द्वारा गिरवी रखे गये डिश टीवी के शेयरों को जब्त कर लिया क्योंकि वे कंपनी के उच्च ऋण स्तर
  - के बरे में चिंतित थे। ऋणदाताओं की चिंता थी कि यदि प्रमोटरों का **डिश टीवी** पर नियंत्रण बना रहा, तो वे **एसेल समूह** के अन्य व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए कंपनी के संसाधनों का उपयोग करेंगे।
  - ◆ एसेल गुप और यस बैंक के बीच विवाद बॉम्बे हाई कोर्ट के डिवीजन बेंच में लंबित है। एकल पीठ ने यस बैंक के साथ असहमति पर एसेल समूह के खिलाफ फैसला सुनाया।

### PROMOTERS TRYING TO REGAIN CONTROL OF DISH TV

- ◆ As of June 30, 2023, the shareholding pattern of **Dish TV** shows that Promoters hold only 4.04%; Public Shareholders: 65.00% and the rest is with financial institutions/ foreign funds.
- ◆ As of June 30, 2023, the Promoters' pledged shares account for 11.68% of Dish TV's total issued and paid-up capital.

### PROMOTERS TRYING TO BUY BACK PLEDGED SHARES

- ♠ In March 2022, JC Flowers ARC acquired the Essel debt of Rs. 112 Billion at a highly discounted price from Yes Bank. Recently, Mr Subash Chandra has been trying to buy back the pledged shares from JC Flowers ARC, which holds a 24.19 per cent stake in Dish TV, estimated at Rs. 860 crores. The total buyout cost, including Dish TV's majority control, could be Rs. 1500 crores.
- ◆ The Zee Promoters believe there are synergies between Dish TV and Zee Entertainment. For example, they could cross-sell each other's products and services. Dish TV has several valuable assets, including its subscriber base and spectrum licenses. By increasing their stake, the Zee Promoters could gain access to these assets and use them to grow their businesses.

### प्रमोटर डिश टीवी पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं

- ◆ 30 जून 2023 तक डिश टीवी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न से पता चलता है कि प्रमोटरों के पास केवल 4.04% हिस्सेदारी है, सार्व जिनक शेयरधारक 65.00% और शेष वित्तीय संस्थानों /विदेशी फंडों के पास है।
- ◆ 30 जून 2023 तक डिश टीवी की कुल जारी और चुकता पूंजी में प्रमोटरों के गिरवी शेयरों की हिस्सेदारी 11.68% थी।

### प्रमोटर गिरवी रखे शयरों को वापस खरीदने की कोशिश कर रहे हैं।

- मार्च 2022 में जेसी पलावर्स एआरसी ने यस बैंक से अत्यधिक रियायती मूल्य पर 112 विलियन रूपये का एसेल ऋण हासिल किया | हाल ही में, श्री सुभाष चंद्रा जेसी पलावर्स एआरसी से गिरवी रखे गये शेयरों को वापस खरीदने की कोशिश कर रहे हैं, जिसकी डिश टीवी में 24.19 प्रतिशत हिस्सेदारी है जिसकी अनुमानित कीमत 860 करोड़ रूपये है | डिश टीवी के बहुमत नियंत्रण सहित कुल खरीद लागत 1500 करोड़ रूपये हो सकती है |
- जी प्रमोटरों का मानना है कि डिश टीवी और जी एंटरटेनमेंट के बीच तालमेल हैं । उदाहरण के लिए, वे एक दूसरे के उत्पादों और सेवाओं को क्रॉस-सेल कर सकते हैं । डिश टीवी के पास अपने ग्राहक आधार और स्पेक्ट्रम लाइसेंस सहित कई मूल्यवान संपत्तियां हैं । अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर जी प्रमोटर्स इन परिसंपत्तियों पर पहुंच प्राप्त कर सकते हैं और उनका उपयोग अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए कर सकते हैं ।

#### COMMENT

- ◆ For a long-term admirer of the dynamism of the Essel Group and its co-founders, Mr Subhash Chandra, and Mr Jawahar Goel, the current state of affairs is painful to write about.
- ◆ The Essel family is fighting so many battles, be it the delayed Sony Zee merger, the dispute with Yes Bank on Dish TV or the liquidation proceedings against the pioneer MSO Siticable that one wonders at the dogged resilience of the family to fight all these battles and yet run diverse and challenging businesses.
- ◆ Unfolding events will show whether the Goenka family comes out triumphant.

## C. ONLINE GAMING BEING TAXED OUT OF EXISTENCE?

#### **FUTURE PROSPECTS ARE MIXED**

- ◆ The PwC Media Report on Online Gaming India 2023-2027 predicts that the Indian online gaming market will grow at a CAGR of 19.4% to reach USD 4.2 billion by 2027. The report says:
  - Online gamers in India are expected to reach 657 million by 2025.
  - The increasing popularity of mobile gaming: Mobile gaming is the most popular form of online gaming in India, accounting for 90% of the market in 2022.
  - \* The growing popularity of esports: The number of esports fans in India is expected to reach 65 million by 2027, and revenues to grow at a CAGR of 30%, reaching \$1 billion by 2027.

#### टिप्पणी

- एसेल समूह और उसके सह-संस्थापकों श्री सुभाप चंद्रा और श्री जवाहर गोयल की गतिशीलता के दीर्घकालिक प्रशंसक के लिए, वर्तमान स्थिति के वारे में लिखना दर्दनाक है।
- एसेल परिवार इतनी सारी लड़ाइयां लड़ रहा है, चाहे वह सोनी— जी के विलय में देरी हो, डिश टीवी का यस बैंक के साथ विवाद हो या प्रमुख एमएसओ सिटी केबल के खिलाफ परिसमापन की कार्यवाही हो, इन सभी लड़ाइयों से लड़ने और फिर भी विविध और चुनौतीपूर्ण व्यवसाय को चलाने के लिए परिवार के दृढ़ लचीलेपन पर आश्चर्य होता है।
- सामने आने वाली घटनाओं से पता चलेगा कि गोयनका परिवार विजय होता है या नहीं।

# सी. क्या ऑनलाइन गेमिंग पर अस्तित्व से बाहर रखने के लिए कर लगाया जा रहा है?

### भविष्य की संभावनायें मिश्रित हैं।

- ◆ ऑनलाइन गेमिंग इंडिया 2023-2027 पर पीडब्लूडी मीडिया रिपोर्ट का अनुमान है कि भारतीय ऑनलाइन गेमिंग बाजार 19.4% की सीएजीआर से बढ़कर 2027 तक
  - 4.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जायेगा।रिपोर्ट में कहा गया है:
  - 2025 तक भारत में
     ऑनलाइन गेमर्स की संख्या 657
     मिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है।
  - मोबाइल गेमिंग की बढ़ती लोकप्रियताः मोबाइल गेमिंग भारत में ऑनलाइन गेमिंग का सबसे लोकप्रिय रूप है, जो 2022 में बाजार का 90% हिस्सा होगा।
  - ईस्पोर्ट्स की बढ़ती लोकप्रियताः भारत में ईस्पोर्ट्स प्रशंसकों की संख्या 2027 तक 65 मिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है और राजस्व 30% की सीएजीआर से बढ़कर 2027 तक 1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

### MANY STATES ARE OPPOSED TO ONLINE GAMING

- States in South India, namely Kerala, Tamil Nadu, and Karnataka, all have attempted to ban online gambling but lost in the High Court.
- ◆ The Karnataka High Court, in the case of All India Gaming Federation vs State of Karnataka, in Writ Petition No 18703/2021, decided on 14.02.2022, held that games of skill do not metamorphose into games of chance merely because they are played online. Games of skill fall within the protective contours of

Article 19 (1) (a) and 21 of the Constitution.

It held that the Karnataka Police Amendment Act violated Article 14 of the Constitution as it does not recognise the difference between a game of skill and chance.

### AMENDMENT TO IT RULES ON ONLINE GAMING

- ◆ The Information Technology (Intermediary Guidelines and Digital Media Ethics Code) Rules, 2021, were amended in April 2023 to regulate online gaming. Key provisions:
  - \* Registration of online gaming intermediaries.
    Online gaming intermediaries must now register with the Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY).
  - Online real money games will be subject to additional due diligence requirements, including

### कई राज्य ऑनलाइन गेमिंग का विरोध कर रहे हैं।

- ◆ दक्षिण भारत के राज्यों अर्थात् केरल, तिमलनाडु और कर्ना टक, सभी ने ऑनलाइन जुए पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया है लेकिन उच्च न्यायालय में हार गये।
- ◆ कर्नाटक उच्च न्यायालय ने ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन

बनाम कर्नाटक राज्य के मामले में रिट याचिका संख्या 18703 /2021 में 14.02.2022 को निर्णय दिया कि कौशल के खेल केवल इसलिए मौका का खेल में परिवर्तित नहीं हो जाते, क्योंकि वे ऑनलाइन खेले जाते हैं।कौशल का खेल संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(ए) और 21 के सुरक्षात्मक दायरे में आते हैं।

यह माना गया है कि कर्नाटक पुलिस संशोधन अधिनियम संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है क्योंकि यह कौशल और मौका के खेल के बीच अंतर को नहीं पहचानता है।

### ऑनलाइन गेमिंग पर आईटी नियमों में संशोधन।

- ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 को अप्रैल 2023 में संशोधित किया गया था।प्रमुख प्रावधानः
  - ऑनलाइन गेमिंग मध्यस्थों का पंजीकरणः ऑनलाइन गेमिंग मध्यस्थों को अब इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के साथ पंजीकृत होना होगा।
  - ऑनलाइन रियल मनी गेम अतिरिक्त उचित परिश्रम



ALL INDIA GAMING FEDERATION

- ensuring that the games are fair and transparent and that players are protected from addiction and fraud.
- The Industry has generally welcomed the amendments. However, they have raised concerns on:
- The restrictions on certain types of games will limit the variety available to players.
- The amendments do not provide clear guidance on the distinction between games of skill and games of chance.

#### KARNATAKA HC ON ONLINE GAMING

- ◆ In May 2023, the Karnataka HC passed a landmark order striking down a demand notice of Rs. 21000 crores levied by the Directorate General of Goods and Services Tax
  - Intelligence (DGGSTI)on Gameskraft Technologies Limited.
- This Company provides online platforms facilitating players to play games of skill like 'Rummy' online. GTPL charges a 'platform fee' for providing a platform for players to play games,
- ◆ The High Court held in favour of Petitioner, stating that the game of
  - rummy played with stakes is played between players based on the assessment of their **skill**.
- ◆ The Court held that online games of skill, such as rummy, poker, and fantasy sports, are not taxable under the GST Act.
- ◆ The GST rate on **Online gaming** is **18%**, **not 28%**.
- ◆ The Government has announced it is filing a **Special Leave Petition** to the Supreme Court.

### GST COUNCIL DECISION ON ONLINE GAMING AT 28%

◆ In its 50th meeting on July 11, 2022, the GST Council decided to levy a uniform 28% tax on online gaming, casinos, and horse racing.

- आवश्यकताओं के अधीन होंगे, जिसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल है कि गेम निष्पक्ष व पारदर्शी हैं और खिलाड़ियों को लत और धोखाधड़ी से बचाया गया है।
- उद्योग जगत ने आमतौर पर संशोधनों का स्वागत किया
   है | हालांकि उन्होंने इस पर चिंता जतायी है:
- कुछ प्रकार के खेलों पर प्रतिबंध से खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध विविधता सीमित हो जायेगी।
- ❖ संशोधन कौशल के खेल और मौका के खेल के बीच अंतर का स्पष्ट मार्गदर्शन पदान नहीं करते हैं।

### ऑनलाइन गेमिंग पर कर्नाटक उच्च न्यायालय

 मई 2023 में, कर्नाटक एचसी ने गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड पर माल और सेवाकर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीएसटीआई) द्वारा लगाये गये 21000 करोड़ रूपये

> के डिमांड नोटिस को रद्द करते हुए एक ऐतिहासिक आदेश पारित किया।

- ◆ यह कंपनी खिलाड़ियों को रम्मी जैसे कौशल के खेल ऑनलाइन खेलने की सुविधा प्रदान करने वाले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म प्रदान करती है। जीटीपीएल खिलाड़ियों को गेम खेलने के लिए प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए 'प्लेटफॉर्म शुल्क' लेता है।
- ◆ उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि दांव लगाकर खेला जाने वाला रम्मी का खेल खिलाडियों के बीच उनके

कौशल के आकलन के आधार पर खेला जाता है।

- न्यायालय ने माना कि कौशल के ऑनलाइन खेल जैसे रम्मी, पोकर और फंतासी खेल, जीएसटी अधिनियम के तहत कर योग्य नहीं है।
- ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी दर 28% नहीं बिल्क 18%
   है ।
- सरकार ने घोषणा की है कि वह सर्वोच्च न्यायालय में एक विशेष अनुमित याचिका दायर कर रही है।

# ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी काउंसिल का फैसला 28% है।

 ◆ 11 जुलाई 2022 को अपनी 50वीं बैठक में जीएसटी परिषद ने ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर एक समान 28% कर लगाने का निर्णय लिया ।

- ◆ The tax will be levied on the *total face value* of the bets placed, not just the platform fee.
- The Government has said that the decision was made to "bring parity" between online gaming and other forms of gambling, which are already taxed at 28%.

### CONTROVERSY ON UNIFORM LEVY

- ◆ The uniform levy of 28 per cent tax will apply to the total value of the bets placed in online gaming. The decision does not differentiate between games of skill and games of chance.
- ◆ In the latest development on July 26 2023, the Government announced that the *modalities of taxation* were to be worked out further and brought before the next GST Council through its fitment committee on August 2, 2023.
- ◆ The Union Revenue Secretary, Mr Sanjay Malhotra, said that the GST Council would take a "final call" on whether it should be levied on the entry-level or each bet.

#### COMMENT

- ◆ Foreign investors say the new tax will increase the tax burden by 1,100%, make the online gaming business model unviable, and erode investor confidence in this sunrise sector.
- ◆ The tax is considered unfair, as it does not distinguish between games of skill and chance.
- ◆ The Revenue Secretary said that the 28% GST on online gaming has moral implications because it is a form of gambling. The Government may also be concerned about the potential for online gaming to lead to addiction and financial problems.
- ◆ The estimated annual revenue from the new GST tax on online gambling is Rs. 20,000 crores.
- ◆ Hopefully, the GST Council will approach a "net" approach instead of the current "total" approach. ■

- कर केवल प्लेटफॉर्म शुल्क पर नहीं, बिल्क लगाये गये दांव के कुल अंकित मूल्य पर लगाया जायेगा।
  - ◆ सरकार ने कहा कि यह निर्णय ऑनलाइन गेमिंग और जुए के अन्य रूपों के बीच 'समानता लाने' के लिए किया गाया था जिन पर पहले से ही 28% कर लगाया गया है।

### युनिफॉर्म लेवी पर विवाद

- ◆ ऑनलाइन गेमिंग में लगाये गये दांव के कुल मूल्य का 28% कर की एक समान वसूली लागू होगी।यह निर्णय कौशल के खेल और संयोग के खेल के बीच अंतर नहीं करता है।
- 26 जुलाई 2023 को नवीनतम विकास में, सरकार ने घोषणा की कि कराधान के तौर-तरीकों पर आगे काम किया जायेगा और 2 अगस्त 2023 को इनकी फिटमेंट कमेटी के माध्यम से अगली जीएसटी परिषद के समक्ष लाया जायेगा।
- केंद्रीय राजस्व सचिव श्री संजय मल्होत्रा ने कहा कि जीएसटी परिषद इस पर 'अंतिम फैसला' लेगी कि इसे प्रवेश स्तर पर या प्रत्येक दांव पर लगाया जाना चाहिए की नहीं।

#### टिप्पणी

28% GST

- ◆ विदेशी निवेशकों का कहना है कि नये कर से कर का बोझ 1100% बढ़ जायेगा, ऑनलाइन गेमिंग व्यवसाय मॉडल अव्यवहार्य हो जायेगा और इस उभरते क्षेत्र में निवेशकों का विश्वास कम हो जायेगा।
- कर को अनुचित माना जाता है क्योंकि यह कौशल और अवसर के खेल के बीच अंतर नहीं करता है।
- राजस्व सचिव ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग पर 28% जीएसटी का नैतिक प्रभाव है क्योंकि यह जुआा का एक रूप है। सरकार ऑनलाइन गेमिंग की लत और वित्तीय समस्याओं को जन्म देने की संभावनाओं के बारे में भी चिंतित हो सकती है।
- ऑनलाइन जुए पर नये जीएसटी कर से अनुमानित वार्षिक राजस्व 20,000 करोड़ रूपये हैं।
- उम्मीद है कि जीएसटी परिषद मौजूदा 'कुल' दृष्टिकोण के बजाये 'शृद्ध' दृष्टिकोण अपनायेगी।